Library

School of Planning and Architecture, Bhopal

S.No.04 November,2021

पत्रिका	21/09/2022	पेज क्र 07

lecture मानव संग्रहालय में लोकरुचि व्याख्यानमाला

संग्रहालय में एडवांस टेक्नोलॉजी हो, जिससे दर्शक प्रादर्श को समझ सकें: डॉ. विशाखा

भोपाल @ पत्रिका. मानव संग्रहालय में 'म्यूजियम्स प्लेस ट्रांसफॉर्मिंग टाइम टू नेरेटिव्स ऑफ पास्ट' विषय पर आयोजित व्याख्यान में एसपीए के संरक्षण विभाग की एचओडी डॉ. विशाखा कवठेकर का व्याख्यान हुआ। उन्होंने कहा कि संग्रहालय मानव जाति की गाथा को संरक्षित कर रहे हैं। संग्रहालय अतीत और भविष्य के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

कोरोना के बाद से संग्रहालयों ने अपनी पारम्परिक भूमिका से आगे बढ़कर कई परिवर्तन किए। एलइडी वॉल जैसे बड़े तकनीकी उपकरणों का उपयोग कर संग्रहालयों को

आधुनिक बनाया गया।

उन्होंने कहा कि रेडीमेड इंस्टेंट अनुभव के इस युग में दर्शकों को प्रादर्श की प्रमाणिकता जानने और कल्पना कर उसके भाव समझने में नुकसान दिखाई देता है। ऐसा इसलिए है कि हम संग्रहालयों की भूमिका को उन स्थानों के रूप में नहीं देखते हैं जो सृजन अनुभवों की मांग पूरा करने वाला नहीं, बल्कि अतीत के आख्यानों के स्थान के रूप में देखते हैं। हमें संग्रहालयों में कलाकृतियों की कई तरह से व्याख्या करना चाहिए, ताकि दर्शक उन्हें समझकर उनसे जुड़ाव महसूस कर सके। यहां प्रादर्श को सुरक्षित व संरक्षित रख कर आने वाली पीढ़ी के लिए ज्ञान का भंडार उपलब्ध किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संग्रहालय के निदेशक डॉ. पीके मिश्र ने कहा कि लिविंग कल्चर का म्यूजेमाइजेशन जरूरी है। संस्कृतियों के विकास को तिथि व कालक्रम के बिना समझा नहीं जा सकता है।